



बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी 18954

(पुस्तकालय तथा छात्रावासों के अधीनस्थ विभिन्न स्तरों की पुस्तक परीक्षाओं के लिए)
(जिन की परीक्षाएं प्रथम वर्ष के छात्रों को करना पड़ती हैं। उनका नाम अधोलिखित विषय में दर्ज है।)

M.S. / 1954

परीक्षा, 1954 के मापदंडों का विवरण

पुस्तकालय संख्या **68626** नाम **विद्यार्थी कुमारी देवी** विषय **भौतिक विज्ञान**
बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय का नाम **बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय**

पुस्तक विषयक प्रश्न पत्र की संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	परीक्षा						योग	परीक्षा का नाम
		प्रश्न पत्र का नाम	द्वितीय वर्ष का नाम	तृतीय वर्ष का नाम	चतुर्थ वर्ष का नाम	पंचम वर्ष का नाम	षष्ठ वर्ष का नाम		
1-	प्रथम वर्ष का नाम	100					32		
2-	द्वितीय वर्ष का नाम	100					37		
3-	तृतीय वर्ष का नाम	100					53		
4-	चतुर्थ वर्ष का नाम	100					76	Bond	
5-							208		
6-	प्रयोगात्मक						46		
7-	योगिक								
							योग	255	अधिकतम प्राप्ति
							अनुप्राप्त प्राप्ति	149	अधिकतम प्राप्ति

टिप्पणियाँ :- 1- स्नातक तथा पराम्नातक परीक्षा में प्रश्नों का निर्धारण निम्नवत है :-
 स्नातक पराम्नातक स्नातक पराम्नातक स्नातक पराम्नातक स्नातक पराम्नातक
 प्रथम वर्ष 50% द्वितीय वर्ष 40% तृतीय वर्ष 30% चतुर्थ वर्ष 20%
 2- बी.ए. बी.एस. बी.एस.सी. भाग 1 में तृतीय होने के लिए प्रथम वर्ष में 20% तथा एक विषय में 20% का प्राप्ति करना आवश्यक है। जिसका नाम अधोलिखित तथा प्रायोगिक प्रश्न प्रथम है।
 3- बी.ए., बी.एस., बी.एस.सी. भाग 2 तथा तृतीय भाग 1, 2 तथा 3 में प्रथम परीक्षा का प्राधिकार है जिसके लिए एक विषय में 20% का तथा योग 20% होना आवश्यक है। 20% प्रायोगिक वाले विषय में प्रथम परीक्षा का अधिकारी सम्बन्धी होता है।
 4- विद्यार्थी को प्रथम वर्ष में प्रथम परीक्षा में 20% प्राप्ति होनी आवश्यक है।
 5- अधिलेखित परीक्षाओं को पुनः-पुनः दोहरा-समाहित की जायेगी यदि पुनः नहीं की जाती है। जिसको पुनः नाम समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाती है। दोहरा-समाहित सम्बन्धी विषय का नाम विद्यार्थी को प्रथम वर्ष/समाचार 1954 के प्रथम संकाय द्वारा दिया जा सकता है।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय,
झांसी
दिनांक 1-7-54

विद्यार्थी का नाम **कुमारी देवी**
सहस्रिका के द्वारा जारी

Ispeu
Assistant Registrar (Exam.)
Bundelkhand University
Jhansi